सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीतिअपार्टमेंट ,आई.पी.एक्सटेंशन,

पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२६

कक्षा:-8 **विषय: हिंदी कहानी संचय** **पाठ:5 प्रेम में परमेश्वर**

प्रश्न 1. मूरत कैसा व्यक्ति था?

उत्तर- मूरत बडा सदाचारी, सत्यवक्ता, व्यावहारिक और सुशील व्यक्ति था। जो बात कहता इसे ज़रूर पूरा करता था। कभी धेले भर भी कम न तोलता और न घी तेल मिलाकर बेचता। चीज़ अच्छी न होती, तो ग्राहक से साफ़-साफ़ कह देता, परंतु धोखा न देता था।

प्रश्न 2. मूरत का ईश्वर से विश्वास कब उठ गया था?

उत्तर-जब उसके एक पुत्र को छोड़कर उसकी स्त्री और सभी पुत्र ईश्वर को प्यारे हो गए थे। जब उसका वह पुत्र, जिसे उसने बीस वर्ष की अवस्था तक पाला, यमलोक सिधार गया। तब मूरत का परमात्मा से विश्वास उठ गया।

प्रश्न3. परमानन्द की प्राप्ति कैसे होती है ?

उत्तर- परमात्मा की निष्काम भक्ति से अंतः करण शुद्ध होता हैं तथा जब सब काम परमेश्वर को अर्पण करके जीवन व्यतीत किया जाता है तब परमानंद की प्राप्ति होती है।

प्रश्न4. मूरत ने लालू की मदद कैसे की ?

उत्तर - मूरत ने, लालू के हिस्से की बर्फ़ हटाकर तथा शीत से उसको बचाने के लिए आग का प्रबंध कर उसकी मदद की थी।

प्रश्न5. मूरत को परमात्मा के दर्शन किन-किन रूप में हुए थे ?

उत्तर- मूरत को परमात्मा के दर्शन कुली लालू, सेब बचने वाली औरत और एक स्त्री जिसकी गोद में एक बच्चा था, उनके रूप में हुए थे।

प्रश्न 6. इस कहानी से हमें क्या सीख मिलती है ?

उत्तर-इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि प्राणीमात्र पर दया करना ही परमात्मा का दर्शन करना है।